नई सुविधाएं देने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री, शिकायतों की लगी झड़ी

निशांत को देख ईएनटी ओपीडी के सामने, प्रशासनिक भवन के गेट से हर्बल गार्डन तक समस्या बताने में लगे रहे मरीज व स्वजन

- बेड नहीं मिलने, आयुष्मान के बावजूद बाहर से दवा खरीदने व लापरवाही से मौत की शिकायतें
- शिकायतकर्ताओं को डाक्टरों और कर्मियों संग भेज मंत्री से दूर करने का अधिकारी करते रहे प्रयास
- आइजीआइएमएस में व्याप्त अव्यवस्थाओं से नाराज थे स्वास्थ्य मंत्री, दिए निर्देश

जागरण संवाददाता, पटना : स्वास्थ्य मंत्री निशांत गुरुवार को आइजीआइएमएस में पांच नई चिकित्सा सुविधाओं का उद्घाटन करने गए थे। इस क्रम में उन्होंने किडनी विभाग में भर्ती व ओपीडी के रोगियों से फीडबैक भी लिया, लेकिन खुले परिसर में आते ही उनका सामना मरीजों व उनके स्वजन की दर्द भरी गुहारों से हुआ। बेड नहीं मिलने, लापरवाही के कारण मां की मौत, आयुष्मान के बावजूद बाहर से दवाएं मंगवाने व जांच कराने जैसी शिकायतें करने का जो क्रम ईएनटी ओपीडी के पास से शुरू हुआ व प्रशासनिक भवन के सामने से नए बन हर्बल गार्डन तक जारी रहा। अपनी समस्याओं के निदान के लिए रोगियों व उनके स्वजन इस कदर उन्हें घेरे थे कि सुरक्षाकर्मियों के साथ आइजीआइएमएस के गार्डों को लगाना पड़ा। मंत्री के चारों ओर हाथों को बांध कर सुरक्षा घेरा बना उन्हें बाहर निकालना पड़ा। हर्बल गार्डन के पास से उनकी गाड़ियों का काफिला जब गुजरा तो लोग हटे। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्री आइजीआइएमएस की इन अव्यवस्थाओं से नाराज थे, इसीलिए घूम कर दोबारा निदेशक कार्यालय पहुंचे और तीन बजे तक सुधार पर विमर्श करते रहे। कई निर्देश देने की बात है, लेकिन किसी अधिकारी व्यवस्था में सेंध से सुधार किए जाएंगे इसकी जानकारी नहीं दी।

आइजीआइएमएस में मरीजों व तीमारदारों की शिकायत को लेकर निदेशक डा. बिंदे कुमार से बात करते स्वास्थ्य मंत्री निशांत • जागरण

सर, लापरवाही से मर गई मां... मैं कुछ नहीं कर पाया : 20 बेड के क्रिटिकल केयर मेडिसिन आइसीयू व हेपेटाइटिस बी-सी व एचआइवी संक्रमित रोगियों के लिए दो बेड की डायलिसिस यूनिट का शुभारंभ करने के बाद जब स्वास्थ्य मंत्री ईएनटी ओपीडी के पास पहुंचने वाले थे तभी रोगियों व उनके स्वजन ने उन्हें घेर लिया। इसके बाद शिकायतों का दौर शुरू हुआ तो निदेशक डा. बिन्दे कुमार ने सभी को मिलने की बात कह शांत कराया। इसके बाद घेरकर निकास द्वार तक ले गए लेकिन वहां स्वजन ने फिर घेर लिया। सबसे मार्मिक दृश्य तब सामने आया जब मुजफ्फरपुर के सरैया से आए सोनू ने मंत्री के सामने अपनी मां की मौत का दर्द सुनाया। उसने रोते हुए आरोप लगाया कि उनकी मां पंचायत सदस्य थीं, टीबी था, वजन 35 किलोग्राम था। **सुबह उनका बीपी लो था, लेकिन उसे मापे बिना जांच के नाम पर मुंह में पाइप डाला और मेरे सामने ही उनकी मौत हो गई।** आप सिर्फ बाहर मत देखिए, अस्पताल के अंदर की व्यवस्था भी देखिए। वहीं, **एक मरीज ने कहा कि मेरी मां सीसीएम आइसीयू में भर्ती है पर नर्स सो गई। यदि वह समय पर पहुंच कर आक्सीजन नहीं लगाता तो मां मर जाती।** उसने इसका वीडियो भी बनाया था।

मंत्री के सामने रो पड़ी महिला

प्रशासनिक भवन के पास सुनवाई नहीं होने पर एक महिला पीछे-पीछे हर्बल गार्डन पहुंची और जैसे ही सुरक्षा घेरा टूटा मंत्री के सामने पहुंच कर रो पड़ी। सिपारा निवासी महिला ने कहा कि मुझे किडनी की बीमारी है। मेरा आपरेशन नहीं हो रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया तो बोलीं कि आप कह कर चले जाएंगे और फिर कोई सुनने वाला नहीं रहता। मंत्री ने निदेशक को उनके इलाज की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

सख्त कार्रवाई की दी चेतावनी

मरीजों का दर्द सुन कर नाराज स्वास्थ्य मंत्री ने संस्थान के अधिकारियों के साथ देरतक बैठक की। कई सवालों का जवाब तलब करने के साथ मरीजों की समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उपचार की गुणवत्ता में समझौता व लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। ऐसे लोगों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सर, लाइन में लगते-लगते ही मर जाएगा मरीज

एक मरीज के स्वजन ने मंत्री से कहा कि सर, यहां व्यवस्था इतनी खराब है कि मरीज को लगता है लाइन में लगते-लगते ही मौत हो जाएगी पर उपचार शुरू नहीं होगा। ओपीडी रजिस्ट्रेशन से परामर्श तक कतार के बाद जांच कराने की प्रक्रिया इतनी जटिल है कि दो से तीन दिन लग जाते हैं। दूसरे ने आरोप लगाया कि आयुष्मान कार्ड पर भर्ती तो कर लिया जाता है, लेकिन स्टोर में दवाएं होने के बावजूद उनसे बाहर से मंगवाई जाती है। साथ ही अधिसंख्य जांच के लिए भी बाहर भेजा जाता है। जब उमस भरी गर्मी व धक्का-मुक्की के कारण अधिकारी मंत्री को लेकर जाने लगे तो शेखपुरा निवासी सुमित कुमार चिल्ला कर बोले, जब हमारी बात ही नहीं सुननी है तो आए क्यों? न उपचार हो रहा है और न दवा मिल रही है, अब आप भी नहीं सुनेंगे तो अधिकारी तो मौज करेंगे ही। और भी तमाम लोग शिकायत सीधे मंत्री तक पहुंचाना चाहते थे लेकिन सुरक्षाकर्मी घेरा बनाकर उन्हें निकाल ले गए।

छह माड्यूलर ओटी, डायलिसिस यूनिट समेत पांच सुविधाएं शुरू

जागरण संवाददाता, पटना : आइजीआइएमएस में गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के छह माड्यूलर आपरेशन थिएटर, क्रिटिकल केयर मेडिसिन आइसीयू, सीसीटीवी कंट्रोल रूम एवं कमांड सेंटर, नई डायलिसिस यूनिट व हर्बल गार्डन का उद्घाटन किया। मौके पर विधानसभा के मुख्य सचेतक व दीघा विधायक डा. संजीव चौरसिया, स्वास्थ्य सचिव कुमार रवि, आइजीआइएमएस के निदेशक डा. बिंदे कुमार, उपनिदेशक सह आरआइओ प्रमुख प्रो. डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा, चिकित्साधीक्षक डा. मनीष मंडल, प्रो. डा. नीलेश मोहन समेत संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सक व अधिकारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य राज्य में विश्वस्तरीय गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने नई सुविधाओं का निरीक्षण कर चिकित्सकों से संचालन व्यवस्था की जानकारी ली और भर्ती मरीजों व उनके स्वजन से उपचार व्यवस्था का फीडबैक लिया। डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि मंत्री ने अस्पताल में स्वच्छता, दवा व जांच सुविधा सुनिश्चित करने के साथ मरीजों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। मंत्री ने परिसर स्थित हर्बल गार्डन में आम का पौधा लगा पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

आइजीआइएमएस

छह माड्यूलर नेत्र आपरेशन थिएटर : 10.25 करोड़ रुपये की लागत से बने आरआइओ माड्यूलर ओटी काम्प्लेक्स में छह अत्याधुनिक आपरेशन थिएटर शुरू किए गए। इनमें विट्रियो-रेटिना, कार्निया, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, आंकुलोप्लास्टी व एचआइवी-हेपेटाइटिस मरीजों के संक्रमित नेत्रों के उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी।

कमांड सेंटर से होगी 24 घंटे निगरानी : 8.25 करोड़ रुपये की लागत से बने सीसीटीवी कंट्रोल रूम एवं कमांड सेंटर से पूरे संस्थान परिसर की चौबीसों घंटे निगरानी होगी। इससे सुरक्षा, आपातकालीन प्रतिक्रिया और प्रशासनिक पारदर्शिता मजबूत होगी।

अत्याधुनिक क्लोज्ड आइसीयू : करीब 6.55 करोड़ रुपये की लागत से विकसित क्रिटिकल केयर मेडिसिन का क्लोज्ड आइसीयू गंभीर मेडिकल और सर्जिकल मरीजों के लिए समर्पित है।

16 नई मशीनों से बढ़ी डायलिसिस क्षमता : नेफ्रोलाजी विभाग में 16 नई डायलिसिस मशीनें जोड़ी गए हैं। इससे किडनी मरीजों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

हर्बल गार्डन भी विकसित : अब संस्थान परिसर में नया हर्बल गार्डन विकसित किया गया है। उद्देश्य मरीजों व स्वजन को स्वच्छ एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank (the name you can BANK upon!)

सम्पत्ति वसूली प्रबंधन शाखा
ओल्ड जीटी रोड, औरंगाबाद, बिहार-824101

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 9(1) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय सम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटर (ओं) को नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी / चार्ज की गई है, जिसका रचनात्मक/भौतिक/प्राधिकारिक कब्जा उसके प्राप्त से लिया गया है। बैंक के प्राधिकृत अधिकारी बकाएदार को आगे बकाया की वसूली के लिए नीचे दी गई तारीख/ों में ऐतिहासिक स्थिति पर 'जैसा है जहां है', 'जैसा है जो है' और 'जो कुछ भी है' पर बेचा जाएगा। संबंधित उधारकर्ता (ओं) और गारंटर (गारंटरों) से सुरक्षित लेनदार, आगेबढ़ा मूल्य और बकाया राशि नीचे दी गई तारीख में सम्बंधित सम्पत्ति/यों के अनुसार होगी।

परिशिष्ट- IV-A (नियम 9 (1) का प्रावधान देखें) (सुरक्षित परिसंपत्तियों को अनुपूर्ण)

क्रमांक सं.	शाखा का नाम / खाते का नाम / उधारकर्ता/गारंटर के खाते का नाम एवं पता	गिरवी रखी गई अचल संपत्तियों का विवरण/मालिक का नाम (संपत्ति को गिरवी रखने वाले)	(क) डाउनसेल अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के तहत मांग सूचना की तिथि (ख) बकाया राशि (ग) डाउनसेल अधिनियम 2002 की धारा 13(4) के तहत कब्जा की तिथि (घ) कब्जे की प्रकृति	(क) आरक्षित मूल्य (लाख रुपये में) (ख) ईएमडी (ग) बोली वृद्धि राशि	ई-नीलामी की तिथि/समय	सुरक्षित लेनदारों को ज्ञात ऋणभारों का विवरण
1	शाखाः ससाराम (084600) खाता संख्या- 084600700006498, 084600EG00000011, 084600IB02302295 एवं 084600IL00000300 मेसर्स कुमार ब्रदर्स इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड पता- मदरसा रोड, वार्ड संख्या-10, सासाराम, रोहतास, बिहार- 821115, यहां भी- पौर्थ मार्केट, धर्मशाला रोड सासाराम, रोहतास, बिहार- 821115 ईमेल: k.b.sasaram@gmail.com श्री सुजीत कुमार सिंह, (प्रबंध निदेशक) मेसर्स कुमार ब्रदर्स इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड पता- दुकान संख्या 2, दुकान राम प्लाजा, एजीबिहार रोड, दक्षिण गांधी मैदान, राजा जी सलाई, इंदिरा नगर, पटना, बिहार-800001, मोबाइल- 9431485554 यहां भी- पौर्थ मार्केट, धर्मशाला रोड, सासाराम, रोहतास, बिहार- 821115, यहां भी- मकान संख्या-312, खिलनगंज, शिव मंदिर के पीछे, सासाराम, रोहतास, बिहार- 821115, मो.- 9431485554 श्री प्रवीण कुमार, (निदेशक) मेसर्स कुमार ब्रदर्स इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड, पता- दुकान संख्या- 2, दुकान राम प्लाजा, एजीबिहार रोड, दक्षिण गांधी मैदान, राजा जी सलाई, इंदिरा नगर, पटना, बिहार-800001, मोबाइल- 8294907704, यहां भी- पौर्थ मार्केट, धर्मशाला रोड, सासाराम, रोहतास, बिहार- 821115, यहां भी- वार्ड संख्या-6, कुर्जहर, सासाराम, रोहतास, बिहार- 821115, मोबाइल- 8294907704 श्री पारस सिंह पिता श्री धनु सिंह (गारंटर) पता- मोहल्ला- खिलनगंज, नायका गांव, ससाराम रोहतास बिहार-821115, मो.- 9431401323 श्री राकेश रंजन पिता लाल मोहन सिंह (गारंटर) पता- मोहल्ला- श्री कृष्णा नगर, महावीर स्थान, कुर्जहर, सासाराम, रोहतास बिहार-821115, मो. 9430581385 श्री अजीत प्रकाश पिता जय प्रकाश सिंह (गारंटर) पता- ग्राम- परसथुआं, पोस्ट-परसथुआं, थाना-कोचस रोहतास बिहार 821108, मो.- 7739699300 श्री सुजीत कुमार सिंह पिता जगनारायण सिंह (गारंटर) पता- मकान संख्या- 312, खिलनगंज, शिव मंदिर के पीछे, सासाराम, रोहतास बिहार-821115 मो.- 9431485554 श्री प्रवीण कुमार पिता लाल मोहन सिंह (गारंटर) पता- मोहल्ला- श्री कृष्णा नगर, महावीर स्थान, कुर्जहर, सासाराम, रोहतास बिहार-821115, मो.- 8294907704	भूमि स्थित : मौजा-भटोखरा, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास, थाना संख्या-118, हल्का संख्या-8, खाता संख्या-179, प्लॉट संख्या-432, रकबा-56 ¼ डिसमिल (18 कट्ठा) बिक्री विलेख संख्या-15171 दिनांक 16.12.2011 श्री प्रवीण कुमार एवं श्री राकेश रंजन कुमार, दोनों के पिता स्वर्गीय लाल मोहन सिंह के नाम पर है। चौहद्दी- उत्तर-जगदीश पासवान, दक्षिण-चंदर गोरी, पूर्व-निज, दक्षिण-समशान घाट	क) 25.10.2024 ख) रु. 2,42,84,084.12 + अतिरिक्त ब्याज एवं खर्च/व्यय ग) 10.01.2025 घ) सांकेतिक	क) रु. 71,72,300/- ख) रु. 7,17,230/- ग) रु. 25,000/-	-	-
	भूमि स्थित- मौजा – मिजौपुर, थाना- सासाराम, वार्ड संख्या- 34 (नया)/64 (पुराना), थाना संख्या- 139, आर.एस. खाता संख्या- 40, आर.एस. प्लॉट संख्या- 249, एम.एस. खाता संख्या- 1656/1657, एम.एस. प्लॉट संख्या- 576, क्षेत्रफल- 12 डेसिमल, विक्रय विलेख संख्या- 11944 दिनांक 06.08.2013, श्री सुजीत कुमार पिता श्री जगनारायण सिंह एवं श्री प्रवीण कुमार पिता स्वर्गीय लालमोहन सिंह के नाम पर है। चौहद्दी- उत्तर- प्लॉट संख्या- 248, दक्षिण- 6 फीट रास्ता, पूर्व- बयदार अजीत प्रकाश, पश्चिम- रास्ता	क) रु. 70,38,000/- ख) रु. 7,03,800/- ग) रु. 25,000/-		
	भूमि स्थित- मौजा-मिजौपुर, वार्ड संख्या- 34, थाना- सासाराम, खाता संख्या- आरएस-40/एमएस-576, प्लॉट संख्या- आरएस-249/एमएस-1649, क्षेत्रफल- 3 डेसिमल, बिक्री विलेख संख्या 11940 दिनांक 06.08.2013 श्री अजीत प्रकाश पिता श्री जय प्रकाश सिंह के नाम पर है। चौहद्दी- उत्तर- प्लॉट संख्या- 249, दक्षिण- रास्ता, पूर्व- प्लॉट संख्या- 249, पश्चिम- हल बयदार सुजीत कुमार	क) रु. 16,57,500/- ख) रु. 1,65,750/- ग) रु. 25,000/-	दिनांक 24.08.2026 को दोपहर 12:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक	एसए संख्या 53/2025 डीआरटी, पटना के समक्ष लंबित है।
	भूमि एवं भवन स्थित- मौजा- दिघौकला, थाना- हाजीपुर, जिला- वैशाली, थाना संख्या-105, प्लॉट संख्या- F 05, पहली मंजिल, निर्मित क्षेत्रफल- 1040 वर्ग फुट, चारदुं विहार, ब्लॉक- डी, फेज- 1, हल्का संख्या- 8, खाता संख्या- 536 एवं 350, खेसरा संख्या-4638 एवं 4639, अविभाजित भूमि 0.37 डेसिमल (162 वर्ग फुट) जिसमें कार पार्किंग के लिए जगह शामिल है, विक्रय विलेख संख्या- 2139 दिनांक 24.03.2014 श्री सुजीत कुमार पिता श्री जगनारायण सिंह के नाम पर है। चौहद्दी- उत्तर- 20 फुट चौड़ा रास्ता, दक्षिण- प्लॉट संख्या- F 06 डी ब्लॉक, पूर्व- प्लॉट संख्या- F 03 डी ब्लॉक, पश्चिम- सामान्य मार्ग	क) रु. 20,82,500/- ख) रु. 2,08,250/- ग) रु. 25,000/-		
	भूमि एवं भवन स्थित- मौजा- दिघौकला, थाना- हाजीपुर, जिला- वैशाली, थाना संख्या-105, प्लॉट संख्या- F 06, पहली मंजिल, निर्मित क्षेत्रफल- 1040 वर्ग फुट, चारदुं विहार, ब्लॉक- डी, फेज- 1, हल्का संख्या- 8, खाता संख्या- 536 एवं 350, खेसरा संख्या-4638 एवं 4639, अविभाजित भूमि क्षेत्र- 0.37 डेसिमल (162 वर्ग फुट) जिसमें कार पार्किंग की जगह भी शामिल है। विक्रय विलेख संख्या- 2138 दिनांक 24.03.2014 श्री प्रवीण कुमार पिता श्री स्वर्गीय लालमोहन सिंह के नाम पर है। चौहद्दी- उत्तर- 20 फुट चौड़ा रास्ता, दक्षिण- खुला स्थान, पूर्व- प्लॉट संख्या- F-04, डी ब्लॉक, पश्चिम- सामान्य मार्ग	क) रु. 20,82,500/- ख) रु. 2,08,250/- ग) रु. 25,000/-		

नियम एवं शर्तें : बिक्री सूचना हिंदी (प्रवर्तन) नियम 2002 से निर्धारित नियमों एवं शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी: 1. संपत्ति को 'जैसा है जहां है' के आधार पर और 'जो कुछ भी है' के आधार पर बेचा जा रहा है। 2. यहां ऊपर अनुपूर्ण में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होंगे। 3. बिक्री अन्वेषणशाली द्वारा वेबसाइट https://baanknet.com पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से 24.08.2026 को दोपहर 12.00 बजे से शाम 04.00 बजे तक की जाएगी। 4. बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया baiipr / baanknet.com और www.pnbindia.in देखें। 5. प्राधिकृत अधिकारी को किसी भी बोली को स्वीकार करने या सभी बोलियों को अस्वीकार करने, यदि स्वीकार्य न हो, या किसी भी समय बिना कोई कारण बताए नीलामी की शर्तों को स्थगित/रद्द/संशोधित करने या बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित है एवं इस संबंध में उनका निर्णय अंतिम होगा।

सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 9 (1) के तहत वैधानिक बिक्री सूचना (विक्रय की स्थिति से अवगत माना होगा)

प्राधिकृत अधिकारी

कूड़े के ढेर और बदबू से घुट रही राजधानी

बीमारी का खतरा

- मोहल्लों से लेकर वीआइपी इलाकों तक गंदगी का लगा है अंबार
- सुबह से उठने लगेगा कचरा तो लोगों को गंदगी से मिलेगी राहत

जागरण संवाददाता, पटना : राजधानी में सफाई व्यवस्था पटरी से उतर गई है। नगर निगम कर्मचारियों की 30 जुलाई से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर गुरुवार को आठवें दिन और अधिक गहरा हो गया। शहर के अधिकांश इलाकों में कूड़े का उठाव नहीं होने से सड़कों के किनारे बड़े-बड़े कूड़े के ढेर लग गए हैं। वर्षा के कारण कचरा सड़ने लगा है और उससे उठ रही तेज बदबू लोगों का जीना मुहाल कर रही है। मोहल्लों, बाजारों, स्कूलों और प्रमुख सड़कों पर फैली गंदगी अब लोगों के लिए सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि बीमारी का डर भी पैदा कर रही है।

राजधानी के कई इलाकों में हालात चिंताजनक मिले। दीघा रोड नंबर-96, राजीव नगर, नया टोला, दरियापुर, मौर्यलोक परिसर, अटल पथ की सर्विस लेन समेत कई जगह कचरे के ढेर पड़े मिले। कई स्थानों पर वर्षा का पानी कचरे में मिल जाने से सड़ांध और बढ़ गई है। सड़क किनारे उड़ती मक्खियां और भिनभिनाते मच्छर लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को झेलनी पड़ रही है। कई स्कूलों के बाहर कई दिनों से कचरा जमा है। छोटे-छोटे बच्चे कंधे पर बैग लटकाए बदबू और गंदगी के बीच होकर स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को हर दिन इसी माहौल से गुजरना पड़ रहा है। स्कूल परिसर के बाहर फैली गंदगी से संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। सिर्फ आम मोहल्ले ही नहीं, बल्कि वीआइपी इलाके भी इस बदहाल व्यवस्था से अछूते नहीं हैं। ईको पार्क के पास कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा के सरकारी आवास के बाहर, 24 स्टैंड रोड स्थित राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा के आवास के समीप तथा कुछ न्यायाधीशों के सरकारी आवासों के बाहर भी कूड़े के ढेर नजर आए। इससे लोगों में यह चर्चा है कि जब महत्वपूर्ण इलाकों की यह स्थिति है तो सामान्य बस्तियों की हालत का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। बाजार में कारोबार पर भी असर साफ दिख रहा है। स्थानीय दुकानदार परवीन मिश्रा, संतोष कुमार, आशुतोष सिन्हा और एमडी अजमल ने बताया कि बदबू और मक्खियों के कारण ग्राहकों का आना कम हो गया है।

नगरनिगम कर्मचारियों की हड़ताल के कारण दरियापुर के पास सड़क पर फैला कचरा • जागरण

हड़ताल के कारण सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मोहल्ले में जगह-जगह गंदगी का ढेर लगा हुआ है। कचरा गाड़ी नहीं आने से घर का कचरा भी जमा हो गया है। अब उससे दुर्गंध आने लगी है।

- निखिल कुमार झा, पुनाईचक

नगर निगम प्रशासन की इच्छाशक्ति की कमी के कारण घर का कचरा फैकने की जगह नहीं बची है। बच्चों और बुजुर्गों की सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है। वर्षा के बाद हालात और खराब हो गए हैं।

- सोनू कुमार, राजीव नगर।

राजधानी में जमा 7,200 टन कचरे को हटाने की चुनौती

जागरण संवाददाता, पटना : सफाई कर्मियों की हड़ताल के कारण राजधानी में जमा 7,200 टन कचरा हटाने की चुनौती है। पटना शहर से सामान्य दिनों में प्रतिदिन 1,200 टन कचरा निकलता है। निगम का दावा है कि हड़ताल के दौरान भी अभियान चलाकर प्रतिदिन करीब 300 टन कचरे का उठाव किया गया। इस हिसाब से आठ दिनों में लगभग 2,400 टन कचरा हटाया गया। इसके बावजूद करीब 7,200 टन कचरा अभी भी शहर के विभिन्न इलाकों में जमा होने का अनुमान है।

जमा कूड़े को 24 घंटे में हटाने का आदेश

सफाई व्यवस्था को पूरी तरह पटरी पर लाने के लिए नगर आयुक्त ने सभी अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जागरण संवाददाता, पटना : नगर निगम कर्मियों और आउटसोर्सिंग एजेंसी के कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त होने के बाद अब राजधानी की सफाई व्यवस्था को पूरी तरह पटरी पर लाने के लिए नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। नगर आयुक्त ने कहा है कि 30 जुलाई से छह अगस्त तक हड़ताल के दौरान शहर के वार्डों, मुख्य सड़कों और गलियों में जमा हुए सभी कूड़े का उठाव अगले 24 घंटे के भीतर युद्धस्तर पर कराया जाए। सभी कार्यपालक पदाधिकारियों, सहायक लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारियों तथा नगर प्रबंधकों को दिए गए आदेश में कहा गया है कि हड़ताल के कारण बड़ी मात्रा में कूड़ा जमा हो गया है। इससे जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। इसलिए विशेष सफाई अभियान चलाकर पूरे शहर को साफ करना प्राथमिकता होगी। आदेश के अनुसार, सभी कचरा ब्वाइंट, नालों के मुहाने और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन सफाई (डीप क्लीनिंग) कराई जाएगी।

सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल में देरी पर केंद्र सरकार सख्त

जागरण संवाददाता, पटना : प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत पीएमसीएच परिसर में बन रहे 200 बेड के सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण में देरी पर केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों ने गुरुवार को निर्माण एजेंसी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, पीएमसीएच प्रशासन और बिहार स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में सीपीडब्ल्यूडी को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि वह अपने ठेकेदार से अगस्त 2026 के अंत तक भवन निर्माण का कार्य हर हाल में पूरा कराए। बैठक में पीएमसीएच के प्राचार्य, अधीक्षक तथा स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव भी मौजूद रहे। केंद्रीय अधिकारियों ने निर्माण कार्य में हुई देरी पर नाराजगी जताते हुए शेष कार्यों को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने कहा कि परियोजना अब और विलंब की स्थिति में नहीं रहनी चाहिए। यह सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान के पीछे बन रहा है। करीब 180 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही इस परियोजना से राज्य के गंभीर मरीजों को उच्चस्तरीय उपचार की सुविधा एक ही परिसर में मिल सकेगी।

हर दिन 15 मेगावाट बिजली 100 टन बायोगैस देगा कचरा

13 नगर निकायों के कचरे का होगा वैज्ञानिक निपटारा

त्रिपक्षीय रिसायत अनुबंध पर हस्ताक्षर

रामचक बैरिया में 514.59 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परिसर

जागरण संवाददाता, पटना :नगर निगम समेत जिले के 13 नगर निकायों के कचरे का अब सिर्फ निस्तारण ही नहीं होगा, बल्कि उससे प्रतिदिन अधिकतम 15 मेगावाट बिजली और 100 टन क्षमता का बायोगैस उत्पादन भी किया जाएगा। बिहार में ठोस कचरा प्रबंधन को आधुनिक बनाने की दिशा में गुरुवार को बड़ा कदम उठाया गया। पटना नगर निगम मुख्यालय में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परिसर, 15 मेगावाट क्षमता के वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र और डिस्पोजल फैसिलिटी के निर्माण के लिए त्रिपक्षीय रिसायत अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता नगर विकास एवं आवास विभाग, पटना नगर निगम और परियोजना के लिए गठित विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) मगध रिसोर्स रिकवरी सस्टेनेबल साल्यूशंस लिमिटेड के बीच हुआ। अनुबंध पर विभाग के उप सचिव रंजन कुमार चौधरी, पटना नगर निगम के मुख्य नगर अभियंता बिंदू रजक और कंपनी की ओर से संजीव कुमार ने हस्ताक्षर किए।

यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) माडल पर विकसित होगी। इस पर 514.59 करोड़ रुपये खर्च होंगे। निर्माण कार्य ढाई वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद चयनित एजेंसी अगले 20 वर्षों तक पूरे परिसर का संचालन और रखरखाव करेगी। परियोजना के तहत पटना के रामचक बैरिया में अत्याधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परिसर बनाया जाएगा, यहां 13 नगर निकायों से अलग-अलग एकत्र किए गए कचरे को लाकर वैज्ञानिक तरीके से उसका निस्तारण और उपयोग किया जाएगा। बोते 20 जुलाई को इन सभी नगर निकायों के बीच हुए समझौते के बाद पटना नगर निगम को इस परियोजना का लीड निकाय बनाया गया था। इस परिसर में कचरे की छंटाई, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और ऊर्जा उत्पादन की आधुनिक व्यवस्था होगी। सबसे महत्वपूर्ण होगा 15 मेगावाट क्षमता का वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट, जहां उपयोगी ठोस कचरे से बिजली बनाई जाएगी। वहीं 100 टन प्रतिदिन क्षमता के बायो-मीथेनेशन प्लांट में गीले कचरे से बायोगैस और अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इससे कचरे का बेहतर उपयोग होगा।